

ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

20-12-2024

ब्राह्मण जीवन में जितने ब्राह्मणों का आपके प्रति स्नेह, सम्मान अर्थात् रिगार्ड होगा, दिल से सन्तुष्ट होंगे, उतना ही आप पूज्य बनेंगे। पूज्य के लिए स्नेह और सम्मान होता है। स्वयं भी सन्तुष्ट दूसरे भी सन्तुष्ट। अगर असन्तुष्ट करने वाला आपको असन्तुष्ट करने की कोशिश करे तो आप शीतलता को धारण करना। वह आपको असन्तुष्ट करे आप सन्तुष्टता का जल डालना, वो आग जलाये आप पानी डालना।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

In the Brahmin family, however many Brahmins have love, regard and respect for you and are content with you from their heart, to that extent you will become worthy of worship. They have love and regard for the one they consider worthy of worship. They themselves are content and others are also content. If those who try to make others discontent try to make you discontent, then just imbibe coolness. They try to make you discontent and you just sprinkle the water of contentment; they may start a fire, you just sprinkle water.